मेवाड़ चित्रकला :

↳ मेवाड़ चित्रकला शैली का उद्भव → तेजसिंह

↳ तेजसिंह के समय → 1260 श्रावक प्रतिक्रमण सुत्र चुर्णी ग्रन्थ लिखा

तात्रपत्र → ताड़पत्र → कमलचन्द ने उत्कीर्ण

वर्तमान → जैसलमेर संग्रहालय

→ दुसरा प्राचीनतम ग्रन्थ → 1423

↳ सुपार्श्वनाथ चरित्र → हीरानन्द जी ने लिखा

↳ वर्तमान → उदयपुर संग्रहालय

स्वर्णकाल → जगत सिंह प्रथम

जगत सिंह प्रथम के समय चितेरों री ओवरी, तस्वीरा री कारखानो, चित्रशाला का निर्माण करवाया → उदयपुर चित्रकार → हरींगा

प्रमुख चित्र :

- भागवत
- रागमाला
- रसिकप्रिया
- गीत गोविन्द

- → गोगुन्दा की शादी
- → अरि सिंह जगमन्दिर
- → बिहारी सतसई
- → अवतरण पारिजात
- → भ्रमर गीत
- → गणगौर
- → जेठियों की कुश्ती
- → फाग
- → शुकरमहात्म्य

मुगल प्रभाव → अमर सिंह प्रथम के समय

युरोपीय प्रभाव → महाराणा भीम सिंह के समय

जगत सिंह प्रथम के समय चित्रकार
- → साहिबदीन
- → कृपाराम
- → मनोहर

संग्राम सिंह II के समय नुरुदीन नामक चित्रकार

↳ पंचतंत्र के अनुवादित रूप → कलीला दमना

↳ अन्वाहरे - सुहैली → मुल्ला हुसैन कासिकी

आयरे - दानिश → अबुल हसन

चावण्ड चित्रकला शैली

↳ उद्भव → महाराणा प्रताप के समय

↳ इन्होंने चावण्ड में पांच महल बनवाये

स्वर्णकाल :→ अमरसिंह प्रथम

↳ नसिरुद्दीन नामक चित्रकार ने रागमालासेट तैयार किया।

नोट → ढोला मारू चित्र तिथि युक्त महाराणा प्रताप के समय नसिरुद्दीन ने चित्रित किया वर्तमान दिल्ली संग्राहलय में है।

नाथद्वारा चित्रकला :→ उद्भव | स्वर्ण काल → महाराणा राजसिंह का काल

प्रमुख चित्र :→

नाथद्वारा
- अन्नकूट महोत्सव
- डांग नृत्य
- पिछवाईया
- पाने
- केले की सांझीया
- दूध दही की होली
- गुलाबी गणगौर

- कादम्बरी
- पंचतन्त्र
- मालती माधव
- एकादशी महात्म्य
- पृथ्वी राज री वेल
- यशोदा अंकन
- गायों का चित्रांकन
- गोपीयों का चित्रांकन

- पिछवाईयों का अंकन
- सांझी का अंकन
- मिश्रित रंग की प्रधानता
- यशोदा अंकन
- आसमान में देवी देवताओं के चित्र

पशु → गाय
पक्षी → मोर

प्रमुख चित्रकार

- → कमला
- → इलायची
  (कमला, इलायची → महिला चित्रकार)
- → घासीराम
- → चम्पालाल
- → चतुर्भुज
- → नारायण दास

देवगढ़ चित्रकला शैली

- → 1680 में द्वारिकप्रसाद ने देवगढ़ की स्थापना की
- → प्रकाशवान श्री घर अंधारे
- → मारवाड़ी शैली का मिश्रण
- → मोती महल, अजारा के भित्ति चित्र
- → चित्रकार → कवला, बैजनाथ, चोखा

ढूंढाड़ → अलवर चित्रकला

↳ उद्भव → प्रताप सिंह

स्वर्ण काल → विनयसिंह | बख्तावर सिंह

↳ गुलिस्ता < बलदेव चित्रकार / गुलाम चित्रकार

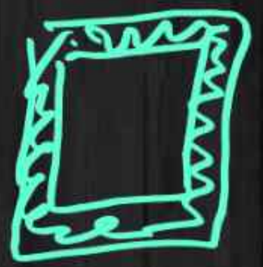

बख्तावर सिंह के समय → शीशमहल पर नाथों के चित्र | फकीरों

प्रमुख चित्र :- योगासन चित्रकला ✓ नकीरी वादन करती महिला चित्र

हाथी दान्त पर चित्र (मगल सिंह)

- → हासियो व फूलों पर चित्रण
- ✓→ गणिकाओं | वैश्याओं के चित्र
- ✓→ वीणा वादन करती महिला का चित्र
- ✓→ अंगड़ाई लेते महिला का चित्र

- ✓→ काम शास्त्र पर चित्र
- ✓→ सर्वाधिक ब्रिटिश, युरोपीय प्रभाव
- → बसलो पद्धति

ईरानी + मेवाड़ी + मराठी का मिश्रण

पशु पक्षी → घोड़ा, मोर

→ मुगल शैली, यूरोपीय प्रभाव, आमजैसी शक्ल के चित्र
भीति चित्र, लघु चित्र

प्रमुख चित्रकार → Trick → सा डा बलु गुम है

- सा → सालीगराम
- डा → डालूराम
- बलु → बलदेव
- गुम → गुलाम अली
- है → नूर मोहम्मद

राम गोपाल, ज्ञानकराम
राम सहाय ✓ बुद्धराम
राम प्रसाद ✓ मूलचन्द

आमेर चित्रकला :

- भित्ति चित्रों का गढ़ ✓
  प्रारंभिक चित्रों का गढ़
- उद्भव → मान सिंह के समय
  सर्वाधिक चित्र → जय सिंह के समय
- प्रमुख चित्र : लैला मजनू, कृष्णलीला
  आदिपुराण, बिहारी सतसई
- राधा कृष्ण का चित्र → मिर्जा राजा जयसिंह के समय
- सर्वप्रथम भित्ति चित्र → आमेर

मुरली पुष्पा हुक्का पिती

(चित्रकार)

- ✓ मुरली चन्द
- ✓ हुक्का चन्द
- ✓ पुष्प चन्द

रंग → लाल | काला

जयपुर चित्रकला शैली

- उद्भव → सवाई जय सिंह के समय
- स्वर्ण काल → सवाई प्रताप सिंह का काल

काला पीला हरे रंग की प्रधानता

प्रमुख चित्र:

- रागमाला
  - रसिकप्रिया
  - गीत गोविन्द
  - भागवत पुराण
  - राम काव्य
  - कृष्ण काव्य
  - रति काव्य
- ईश्वरी सिंह का आदमकद चित्र साहिब राम नामक चित्रकार प्रताप सिंह के दरबार में
- पोलो के मैदान में जानवरों की लड़ाई
- दाढ़ी विहीन चित्र
- कुरान पढ़ती महिला चित्र
- भीखारी को भीख देते रानी का चित्र
- चेहरे पर चेचक के दाग
- भित्ति चित्र

प्रमुख चित्रकार :

Trick → सालीगराम

साहिबराम
लक्ष्मणराम
गोविन्दराम, घासीराम, जीवनराम
डालूराम

सवाई जयसिंह ने सूरतखाना बनाया

सर्वाधिक चित्र → हवामहल → जयपुर

जस्ते का प्रयोग, आदमकद चित्र बने हैं।

उनियारा शैली : नरूका ठीकाना

↳ जयपुर + बुन्दी का मिश्रण

↳ मीर बाज चित्रकार ने राम सीता व लक्ष्मण हनुमान के चित्र बनाये

↳ अन्य चित्रकार : धीमा, धीम, काशी, रामलखन

शेखावटी :-

- आम लोक जीवन की झांकी के भित्ति चित्र
- भित्ति चित्र → पणा कहलाते है
- बलखाती लहरो का अकंन
- युरोपीय शैली का प्रभाव

महनसर → भित्ति चित्रो के लिए प्रसिद्ध है स्वर्ण रजत रंगो का प्रयोग

नवलगढ → शेखावटी की स्वर्ण नगरी

कोटा चित्रकला शैली :

↳ उद्भव → राम सिंह के समय

स्वर्ण काल → उम्मेद सिंह

प्रमुख चित्र → रानीया व नारिया शिकार करते का चित्र

↳ कदम्ब पेड़ के नीचे बैठा शेर

→ पैर से कांटा निकालती नायिका चित्र

→ बेटी को विदाई देते का चित्र

→ छत पर घोड़े की स्वार

→ छतरी पर हाथी की स्वारी

→ हाथी की सूण्ड पर नृत्य करती महिला

→ रसूली चित्रण

चित्रकार

→ गोविन्दराम

डालू

नूर मोहम्मद

राम लाल

लच्छीराम

किशनलाल

बुन्दी चित्रकला शैली :

↳ उद्‌भव - सुर्जन सिंह
स्वर्णकाल → उम्मेद सिंह

प्रमुख चित्रकार
↳ रामलाल, नूर मोहम्मद, सुर्जन

→ हाड़ौती की भित्ति चित्रों का स्वर्ग → तारागढ़ दुर्ग बुन्दी → राजमहल

कर्नल टॉड → रजवाड़ों के राजप्रसादों में सर्वश्रेष्ठ महल तारागढ़ दुर्ग बुन्दी के हैं

प्रमुख चित्र : पशु पक्षी, तीज त्यौहार, फल फूल रानीयों व नारियों के शिकार दृश्य,

रागिनी भैरव, रागिनी श्रीमाल, रागिनी दीपक

फलों को कुतरते शुक, उमड़ते बादल, दहाड़ते शेर

उम्मेद सिंह का शुअर का शिकार
उम्मेद सिंह का वृद्धावस्था का चित्र
उम्मेद सिंह का श्रीनाथ जी पूजा

बिशन सिंह गद्दी पर बैठे का चित्र
तुफानी नदी पार करती नायिका चित्र

झालावाड़ चित्रकला

- राजसी वैभव, सामन्ती परिवेश का चित्रण
- बड़ी हवेली तथा मन्दिर के भित्ति चित्र
- वल्लभ शैली | कोटा चित्रकला शैली का प्रभाव
- प्रमुख चित्रकार → श्रीनाथ जी

1. ____
2. स्त्री → आँखे
3. ____ ____
4. हाड़ौती → मृग समान नैन

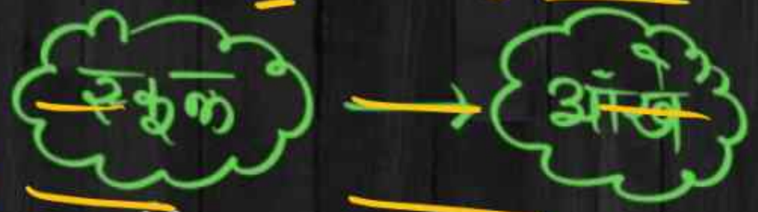

मेवाड़ → मीन के समान नैन
मारवाड़ → बादाम जैसी आँखे
ढूंढाड़ → मीन समान आँखे

प्रमुख संग्रहालय एवं संस्था :-

जैन भण्डार संग्रहालय → जैसलमेर

सरस्वती भण्डार → उदयपुर

ब्रज विलास → कोटा

जवाहर कला केन्द्र → जयपुर

संस्था

५ चितेरा, धोरा → जोधपुर

टखमण २८ → उदयपुर

अंकन → भीलवाड़ा